Title: Need to allocate more funds for modernisation of canals in Chambal Region.

श्री रामनारायण मीणा (कोटा): सिंचित क्षेत्र विकास के लिए भारत सरकार, राज्य सरकारों, देश विदेश की विभिन्न संस्थाओं आदि से प्राप्त राशि के व्यय के बा वजूद भी क्षेत्र का अपेक्षित विकास नहीं हो पाने से जन समस्याओं में भारी बढ़ोत्तरी हो गई है। समयबद्ध तरीके से बारी के अनुसार कृषि भूमि को सिंचाई के लिए बाराबंदी प्रणाली से पानी पहुंचाने के नाम पर भारत सरकार से प्राप्त २ करोड़ ५० लाख रुपये व्यय करने के उपरांत भी खत्म की गई बाराबंदी प्रणाली प्रभावी रूप में लागू की जाना आवश्यक है। मरम्मत एव्म निर्माण कार्य घटिया स्तर के प्रतीत होते हैं। नहरी क्षेत्र के अंतिम छोर के ग्रामों में विकास कार्यों की आवश्यकता अधिक है। राजस्थान एवम् मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की कृषि भूमि को सिंचित करने वाली चम्बल की नहरों की जर्जर स्थिति हो जाने से अंतिम छोर के खेतों में सिंचाई के लिए समय पर पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाने से हजारों बीघा में खड़ी फसलें प्रतिवर्ष बर्बाद हो जाती हैं। तीन पानी से पकने वाली गेहूं की फसल को मात्र १ या २ पानी मिल पाता है। फिर भी पिलाई शुल्क पूरा लिया जाता है। जिस क्षेत्र में पूरा पानी नहीं पहुंच सके उस भूमि की पिलाई राशि खारिज की जानी चाहिए। नहरों की मरम्मत एवम् आधुनिकीकरण से ही समस्या का समाधान हो सकता है। कोटा बैराज से हो रहे १४ क्यूसेक पानी रिसाव को रोकने के लिए बांध की मरम्मत की तत्काल आवश्यकता है। इस वर्ष भी पानी की कमी के कारण टेल क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों की हजारों बीघा में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है।

अतः अनुरोध है कि इस सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा चम्बल सिंचित क्षेत्र विकास वाली नहरों का सही रख-रखाव एवम् आधुनिकीकरण किया जाए तथा निम्नांकित जनोपयोगी निर्माण कार्यों के लिए धन उपलब्ध करवाया जाए :-

१. पुलिया निर्माण ग्राम मैंड़ोली तहसील के पाटन।

२. ग्राम ठीकर या जिला बून्दी में सेई नदी पर पुलिया निर्माण।

३. पुलिया निर्माण ग्राम बालापुरा (ग्राम पंचायत माल बम्बोरी) तहसील मांगरोल, जिला बारां।

४. पुलिया निर्माण ग्राम रायथल (बून्दी) में छोटाबाई के खाल से प्रतिहारों के कुएं पर जाने वाले रास्ते पर।

५. बांडी काखाल ग्राम छोड़ेदा, जिला बून्दी पर पुलिया निर्माण।

६. ग्राम गुवाडी से रायथल के रास्ते पर पुलिया निर्माण (जिला बूंदी)

७. ग्राम बाजड़ तहसील एवम् जिला बूंदी में रामकिशन मीणा की कृषि भूमि के पास बाजड़ से केशवराय पाटन जाने९

वाले राज्य राजमार्ग के समीप की ड़ेन पर।